Title: Need to look into the decreasing water level in Jabalpur region, Madhya Pradesh- Laid.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश का जबलपुर संभाग नर्मदा नदी के कछार के रूप में जाना जाता है, जिसमें रानी अवंती बाई सागर जैसा बड़ा बांध बना है। लेकिन बांध में मिट्टी जमा होने से जल क्षमता प्रभावित हुयी है, वहीं दूसरी ओर इस बांध से बिजली उत्पादन का निर्धारित लक्ष्य भी पूरा नहीं किया जा सका है। इस बांध के प्रभाव क्षेत्र में आने वाली एशिया की सबसे उपजाऊ भूमि वाले नरसिंहपुर एवं जबलपुर जिले की बहुमूल्य भूमि अधूरी नहरों के कारण वर्षो से बांध के जल से वंचित है।

नरसिंहपुर एवं जबलपुर जिला पुरानी बधान प्रणाली का सर्वोच्च एवं उत्कृट नमूना रहा है। परिणामस्वरूप एक तरफ उन्नत समृद्ध खेती वहीं दूसरी ओर जल स्तर को शताब्दियों तक 10 फुट से 20 फुट के बीच स्थिर बनाये रखने में सफल रहा है। लेकिन रानी अवंती बाई सागर के निर्माण के बाद जलस्तर बढ़ने के बजाय 80 से 100 फीट नीचे चला गया है। उसका मुख्य कारण बॅधान वाली खेती में वर्षाकाल की फसलों के कारण खेतों में जल भराव बंद किया जाना है तथा गर्मी की फसलों के लिए भूमि जल का अधिकाधिक उपयोग रहा है। अतः मैं केन्द्र सरकार के जल संसाधन विभाग एवं भूसर्वेक्षण विभाग तथा कृषि विभाग से मांग करता हूं कि सम्मिलित प्रयास से इस अति महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर ध्यान दें।